उप सभापति महोदय, मैं आपके जरिये कृषि मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या यह सही है कि कंज्यूमर्स कौंसिल आफ इंडिया की तरफ से पुलिस को लेकर हिन्दुस्तान के चार प्रान्तों में जो रेड किया और जो चीजें उन्होंने मिलावट की पाई, इस चीज को तथा स्लो डैथ रोकने के लिए भारत सरकार की ओर से क्या कार्यवाही की जा रही है । उन्होंने जो सर्वेक्षण किया है, उसके ऊपर वह क्या कार्यवाही करने जा रही है और इसके साथ ही साथ मैं यह भी जानना चाहता हूं कि जो हमारा फूड एडल्टरेशन ऐक्ट है और वनस्पति कंट्रोल आर्डर है, उसको बदलना चाहिये ताकि यह जो खराबी मिलावट की पैदा हो गई है, वह दूर की जा सके ।

REFERENCE TO STRIKE BY OIL AND NATURAL GAS COMMISSION WORKERS AT SUMERWALI TALAIYA

श्री भैरों सिंह शेखावत : (मध्य प्रदेश) : उप-सभापति जी, जोधपुर से लगभग 410 किलों मीटर दूरी पर समेर वाली तराई में नेचुरल गैस कमिशन की ओर से कुएं खोदे जा रहे हैं। इन कुओं की खुदाई लगभग 1300 मीटर तक हो चुकी है । पिछले 11 अप्रैल से वहां पर 300 कर्मचारी हड़ताल पर है । हड़ताल का कारण यह है कि पहिले वहां पर शिफ्ट प्रणाली चलती थी। 15 दिन वर्कर्स काम करते थे और 15 दिन रेस्ट लेते थे जोधपुर में। अब इस प्रणाली को बदल दिया गया है। अब 15 दिन काम करते हैं और पांच दिन रेस्ट करते हैं । वहां पर कर्मचारियों ने कहा है कि 410 किलो मीटर दूरी तय करने में काफी समय लग जाता है । उनके परिवार सारे जोधपुर में रहते हैं, जैसलमैर और सुमेर वाली तलैया में, उनके परिवार वालों के लिए कोई स्थान नहीं है । इसलिए पहिले जो शिफ्ट प्रणाली थी, उसी प्रणाली को लागू किया जाय । इसके लिए रिकेंसिलेशन कार्यवाही हुई और अंत में वर्कर्स ने आर्बिट्रेशन की बात को स्वीकार कर लिया, लेकिन मैनेजमेंट ने आर्बिट्रेशन की बात को स्वीकार नही किया । आपको जान कार ताज्जुब होगा कि नैचुरल गैस कमिशन के चैयरमैन को आर्बिट्रैशन के रूप में स्वीकार कर लिया गया और गुजरात के एस० टी० सी० के चैयरमैन को आर्बिट्रैटर स्वीकार कर लिया गया ।

रीजनल कमिश्नर आफ लेबर, जिन का अजमेर हैडक्वार्टर है, उनको आरबीट्रेटर के रूप में स्वीकार करने को तैयार हैं, लेकिन भारत सरकार की ओर से, मैनेजमेंट की ओर से उनकी इस बात को स्वीकार नहीं किया जा रहा है । उपाध्यक्ष महोदय, मैं यह भी कहना चाहूंगा कि वहां अब तक 8 कुएं खोदे जा चुके हैं । उनमें से 6 को एबन्डन कर दिया गया है क्योंकि उनमें गैस नहीं मिली । यह कुआं 3500 मीटर तक खोदा जायगा । अभी तक 21 लाख रुपया इस पर खर्च हुआ है, टोटल एक्सपेंडीचर 35 लाख रुपया का होगा । अगर इस कुएं में एक हजार मीटर तक की खुदाई नैकेड रहेगी, उसको कन्टीन्यू नहीं करेंगे तो इस बात के चासेंज गर्मियों के दिन में हो सकते हैं कि किसी प्रकार का नुकसान हो जाय । इसलिए मैं माननीय मंत्री महोदय का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहूंगा कि हम जल्दी से जल्दी इस प्रश्न को हाथ में लेकर जिस प्रकार से कच्छ में या बम्बई हाई में या अन्य स्थानों पर जिस पैटर्न से वर्कर्स से काम लिया जा रहा है उसी पैटर्न पर जैसलमेर के कर्मचारियों से काम लें और इस समस्या का समाधान करायें ।

DEMAND FOR REINSTATEMENT OF SEVENTEEN FARAKKA ENGINEERS

SHRI BHUPESH GUPTA (West Bengal): I took permission of the Chair . . .

MR. DEPUTR CHAIRMAN: For what?

SHRI BHUPESH GUPTA: Delhi will come later . . .

MR. DEPUTY CHAIRMAN: It was not permitted.